ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 14-02-2025

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-02-14 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-02-15	2025-02-16	2025-02-17	2025-02-18	2025-02-19
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	32.0	32.0	33.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.0	14.0	15.0	15.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	16	14	19	20	20
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	33	36	34	28	45
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	13	10	18	18	12
पवन दिशा (डिग्री)	248	58	83	58	87
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	4	8	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना। अधिकतम तापमान 31.0 से 32.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 13.0 से 15.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 10-18 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

दिन का तापमान सामान्य से अधिक होने से फसलों की पानी की आवश्यकता बढ़ सकती है। इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि फसलों, सब्जियों, फलों आदि में नमी की कमी के लक्षण दिखने पर समय पर सिंचाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क मौसम रहने की सम्भावना है, किसान भाई रबी फसलों की क्रांतिक अवस्थाओं पर सिंचाई अवश्य करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	किसान भाई गेहूं की फसल में दाने की दूधिया अवस्था पर सिंचाई अवश्य करें। फसल मे दीमक के नियंत्रण हेतु क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी 4 लीटर प्रति हैक्टेयर सिंचाई के साथ दें।
सरसों	किसान भाई सरसों की फसल में दाना पकते समय बुवाई के 95 दिन बाद सिंचाई करें। फसल में एफिड के कीट के नियंत्रण के लिए मैलाथियान 50 ईसी. सवा लीटर या डाइमिथेएट 30 ईसी. 875 मिली लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	किसान भाई जीरे की फसल में बीज बनने की अवस्था पर हल्की सिंचाई करें। जीरे की फसल में फसल में एफिड कीट का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 ईसी. एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से या ऐसीफेट 75 एस.पी. 750 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को थनेला रोग से बचाने के लिए पशु का पूरा दूध पूर्ण हस्त विधि से निकालें।